मानवता दुनिया का सबसे बड़ा धर्म : हाशमी

अमरोहा। हाशमी गर्ल्स डिग्री कालेज में अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया।

सेमिनार में बोलते हुए कालेज प्रबंधक डॉ सिराजुद्दीन हाशमी एडवोकेट ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पूरे विश्व में आज के दिन मनाया जाता है। हमें इस दिन इस बात का संकल्प लेना चाहिए कि हम कोई भी ऐसा कार्य न करें, जो समाज के विकास में बाधक है। उन्होंने कहा कि परिवार में स्त्री शिक्षा पर बल दिया जाना चाहिए। क्योंकि एक लड़की के शिक्षित होने पर कई पीढ़ियां शिक्षित हो जाती हैं। बीएड विभागाध्यक्ष डॉ संत कुमार मिश्र ने कहा कि समाज में सभी लोग अपने-अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो। पहले हमें स्वयं को मानवाधिकार के प्रति सचेत रहना होगा। तभी हम दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक कर सकते हैं। प्राचार्या डॉ रिजवाना कुलसूम ने कहा कि सभी को अपने अंदर मानवीय मूल्य विकसित करने चाहिए। अधिकारों की मांग करने से पूर्व मानवीय कर्तव्यों का भी पालन करना चाहिये। इस मौके पर समस्त स्टाफ मौजूद रहा। संवाद

मानवता दुनिया का सबसे बड़ा धर्म

हाशमी डिग्री कालेज में सेमिनार

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। हाशमी डिग्री कॉलेज के प्रबंधक डॉ. सिराजुद्दीन हाशमी ने कहा कि हम कोई ऐसा कार्य ना करे जो समाज के विकास में बाधक हो।

हाशमी डिग्री कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस पर सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसका आगाज छात्रा द्वारा नाते नबी से किया गया। इस अवसर पर बोलते डॉ. सिराजुद्दीन हाशमी ने कहा परिवार में स्त्री शिक्षा पर विशेष जोर देना चाहिए। क्योंकि एक लड़की के शिक्षित होने से कई पीढ़ियां शिक्षित होती हैं। जबकि पुरुष के शिक्षित होने पर केवल एक ही व्यक्ति शिक्षित होता है। डॉ. संत कुमार मिश्र ने कहा कि समय की जरूरत को देखते हुए समाज सभी लोगो को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए। प्राचार्य डॉ. रिजवाना कुलसुम ने विचार रखे कि भारतीय समाज में हमेशा मानव अधिकारों की संरक्षा होती है। आज जो मानव अधिकार दिवस मनाया जा रहा है वह वास्तव में पाश्चात्य सोच एवं संस्कृति की देन है। यदि लोग मानव कर्तव्य का पालन करेंगे तो किसी को भी मानव अधिकारों की जरूरत नहीं होगी। इस अवसर पर समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

یوم عالمی حقوق انسانی: معاشرے کی بنیاد کو مضبوط کرنے کی ضرورت ہے: ڈاکٹر سراج الدین ہاشمی

امروہہ (اسٹاف رپورٹر) ہاشمی گرلس پی جی کالج میں انسانی حقوق کے عالمی دن کے موقع پر سمینار کا انعقاد کیا گیا۔ آغاز طالبہ کی نعت پاک سے ہوا۔ ہاشمی ایجوکیشنل گروپ کے چیئرمین اور کالج منیجر ڈاکٹر سراج الدین ہاشمی نے کہا کہ آج پوری دنیا میں انسانی حقوق کا عالمی دن منایا جاتا ہے، اس دن ہمیں عہد کرنا چاہیے کہ ایسا کوئی کام نہیں کرنا ہے جو معاشرے کی ترقی میں رکاوٹ ہو۔ انہوں نے کہا

ڈاکٹر سراج الدین ہاشمی

کہ ہر خاندان میں خواتین کی تعلیم پر زور دیا جائے کیونکہ ایک لڑکی کے تعلیم یافتہ ہونے سے کئی نسلیں تعلیم یافتہ ہوتی ہیں۔ انہوں نے کہا کہ آج کے مسابقاتی دور میں خواتین نے اپنی اہمیت کا احساس اپنی تعلیم و تربیت سے کرایا ہے۔ انسانی حقوق کے شعبے میں بھی خواتین کا اہم رول سامنے آیا ہے، ہمیں ایسے مہذب معاشرے کی بنیاد کو مضبوط کرنے کی ضرورت ہے جس میں ہر انسان کے حقوق محفوظ ہوں۔ بی ایڈ شعبہ کے سربراہ ڈاکٹر سنت کمار مشرا نے کہا کہ وقت کی ضرورت ہے کہ سماج میں تمام لوگوں کو ان کے حقوق سے آگاہ کیا جائے۔ لوگ اپنے حقوق کو سمجھیں گے تو یقیناً ان کا استحصال کم ہوگا۔ سب سے پہلے ہمیں خود انسانی حقوق سے آگاہ ہونا ہوگا، تب ہی ہم دوسروں کو اس سے آگاہ کر سکتے ہیں۔ خاص طور پر لڑکیوں کو اپنے حقوق سے آگاہ کرنے کی ضرورت ہے۔ لڑکیاں ہر میدان میں ترقی کر رہی ہیں اور باشعور ہو کر اپنے حقوق کی جنگ لڑ رہی ہیں۔ کالج کی پرنسپل ڈاکٹر رضوانہ کلثوم نے کہا کہ معاشرے میں انسانی حقوق کے تحفظ کی وکالت کی گئی ہے۔ آج انسانی حقوق کا دن منایا جانا مغربی سوچ اور ثقافت کی پیداوار ہے۔ ہندوستان کے کچھ علاقوں آج بھی ایسے والدین ہیں جو اپنے بچوں کو تعلیم کی سہولت فراہم نہیں کرتے ایسے لوگوں کو حقوق انسانی اور حصول تعلیم کے لیے بیدار کرنے کی ضرورت ہے۔ ہم سب کو اپنے اندر انسانی اقدار پیدا کرنے چاہئیں اور حقوق مانگنے سے پہلے انسانی فرائض بھی ادا کرنے چاہئیں۔ اگر لوگ انسا فرائض ادا کرنے لگیں تو کسی کو انسانی حقوق کی ضرورت نہیں رہے گی کیونکہ پھر کوئی کسی کے حقوق کی خلاف ورزی نہیں کر سکے گا۔ اس موقع پر کالج کا تمام اسٹاف موجود تھا۔

मानवता दुनियाका सबसे बड़ा धर्म : डॉ. एस. मिश्रा

अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर हाशमी गर्ल्स डिग्री कालेज में सेमिनार आयोजित

एस टी संवाददाता

अमरोहा। शुक्रवार को हाशमी गर्ल्स डिग्री कालेज में अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आगाज छात्रा द्वारा नातेनबी से किया गया। हाशमी एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन व कालेज प्रबंधक डा0 सिराजुद्दीन हाशमी एडवोकेट ने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पूरे विश्व में आज के दिन मनाया जाता है। हमें इस दिन इस बात का संकल्प लेना चाहिए कि हम कोई भी ऐसा कार्य न करें, जो समाज के विकास में बाधक है। उन्होंने कहा कि परिवार में स्त्री शिक्षा पर बल दिया जाना चाहिए क्योंकि एक लड़की के शिक्षित होने पर कई पीढ़ियां शिक्षित हो जाती हैं।

जबकि एक पुरूष के शिक्षित होने पर केवल एक व्यक्ति ही शिक्षित होता है। बीएड विभागाध्यक्ष डा. सन्त कुमार मिश्र ने कहा कि आज समय की जरूरत है कि हम समाज में सभी लोगों को अपने अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करें।

यदि लोग अपने अधिकारों को समझेंगे तो निश्चित् रूप से उनका शोषण कम हो जायेगा। पहले हमें स्वयं को मानवाधिकार के प्रति सचेत रहना होगा, तभी हम दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक कर सकते हैं। खासतौर से छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति सचेत होने की आवश्यकता है। हर क्षेत्र में लड़कियां तरक्की हासिल कर रही हैं तथा जागरूक होने वह अपने हकों के लिए लड़ रही है।

हाशमी कालेज में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन, छात्राओं ने दिखाया हुनर

अमरोहा, प्रात : किरण संवाददाता

हाशमी गर्ल्स पी0जी0 कालेज में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।इस प्रतियोगिता मे हाशमी एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन व कालेज प्रबंधक डा0 सिराज उद्दीन हाशमी ने छात्राओं की हौंसला अफजाई करते कहा कि छात्राओं ने आज रंगोली प्रतियागिता में जितने जोश से भाग लिया वह काबिले तारीफ है। छात्राओं को पढ़ाई के साथ कालेज में आयोजित सभी प्रतियोगिताओं, सेमिनार, गोष्ठी व अन्य कार्यक्रमों में इसी प्रकार के से उत्साह के साथ भाग लेना चाहिए। जिससे कि उनका सवार्गीण विकास हो सकते। पढ़ाई से जहां हमारा बौद्धिक विकास होता है तो वहीं इस तरह की प्रतियोगिताओं से हमारा मानसिक विकास होता है तथा हमारे अंदर छिपी प्रतिभा भी उजागर होती है। उन्होंने कहा कि हमें शिक्षा के साथ साथ अन्य कलाओं व प्रतियोगिता पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने सभी छात्राओं की प्रंशसा करते आगे भी इसी तरह प्रदर्शन करने की उम्मीद जतायी।कालेज प्राचार्या डा0 रिजवाना कुलसुम ने कहा कि आज बालिकाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे हैं जरूरत है उन्हे प्रोत्साहन की। रंगोली प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर जिन छात्राओं ने अपनी प्रतिभा को उजागर किया है वह छात्राएं प्रंशसा की योग्य हैं। इनसे दूसरी छात्राओं को भी प्रेरणा लेनी चाहिए। सभी छात्राओं ने अथक प्रयास किया है और पूरी कोशिश की है वह इस प्रतियोगिता में बेहतर परिणाम दे सके। आगे भी छात्राओं को इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग लेना चाहिए। जिसमें उनमें आगे बढ़ने का हौंसला पैदा हो। उन्होंने कहा कि रंगोली बनाना भी एक कला है।इस अवसर पर कालेज का समस्त स्टाफ मौजूदा रहा।

रंगोली बनाकर किया मतदान को प्रेरित

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। हाशमी गर्ल्स डिग्री कॉलेज में आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में छात्राओं ने अपनी कला के रंगों को उकेरते हुए मनमोहक रंगोलियां बनाई। रंगोली बनाकर मतदान के लिए प्रेरित करने वाली टीम को प्रथम स्थान जबकि बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ को द्वितीय तथा जल ही जीवन की टीम को तीसरा स्थान मिला।

सोमवार को हाशमी गर्ल्स डिग्री कॉलेज में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते मनमोहक रंगोलियां बनाई। इस अवसर पर कॉलेज प्रबंधक डॉ. सिराजुद्दीन हाशमी ने कहा इस प्रतियोगिता में छात्राओं ने जितने जोश से भाग लिया लिया वह काबिले तारीफ है। पढ़ाई के साथ साथ प्रतियोगिताओं, सेमिनार व गोष्ठी में भी इसी उत्साह के साथ छात्राओं को भाग लेना चाहिए जिससे उनका सर्वागीण विकास होने के साथ उनके अंदर छिपी प्रतिभाएं उजागर हो। प्राचार्य रिजवाना कुलसुम ने कहां की छात्राएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है जरूरत है उन्हें प्रोत्साहन की। प्रतियोगिता में भाग लेकर जिन।छात्राओं ने अपनी प्रतिभा को उजागर किया है। वे छात्राएं प्रशंसा के योग्य है। प्रतियोगिता में मतदान को प्रेरित करने वाली टीम को प्रथम, बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ को द्वितीय तथा जल ही जीवन की टीम तीसरे

हाशमी कालेज में रंगोली प्रतियोगिता

रंगोली प्रतियोगिता में छात्राओं ने दिखाया हुनर

रंगोली में छात्राओं ने दिखाया हुनर

अमरोहा। हाशमी गर्ल्स पीजी कालेज में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर मनमोहक रंगोली बनाई।

हाशमी एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन डॉ सिराजुद्दीन हाशमी ने छात्राओं की हौसला अफजाई करते कहा कि छात्राओं को पढ़ाई के साथ कालेज में आयोजित सभी प्रतियोगिताओं, सेमिनार, गोष्ठी और अन्य कार्यक्रमों में इसी प्रकार उत्साह के साथ भाग लेना चाहिए। जिससे कि उनका सर्वागीण विकास हो सके। प्राचार्या डॉ रिजवाना कुलसुम ने कहा कि रंगोली बनाना भी एक कला है।

प्रतियोगिता में मतदान को प्रेरित रंगोली प्रथम, बेटी पढ़ाओं, बेटी बचाओ द्वितीय व जल ही जीवन है, की रंगोली बनाने वाली टीम तीसरे स्थान पर रही। संवाद